Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
April to June 2025, E-Journal, Vol. I, Issue L (50), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यों की कार्य कुशलता का अध्ययन

डॉ. नितिन मेनारिया* प्रो. सरोज गर्ग**

*उप प्रधानाचार्य, बाल विनय मन्दिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत
** प्राचार्य, लोकमान्य तिलक शिक्षाक प्रशिक्षाण महाविद्यालय, उदयपुर (राज.) भारत

शोध सारांश – प्रस्तुत शोध पत्र उदयपुर संभाग के शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता के अध्ययन पर आधारित है। इस शोध पत्र के माध्यम से शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता का अध्ययन किया गया। शिक्षा का प्रमुख संस्थान विद्यालय है जहाँ बालकों को बौद्धिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक कौशल का विकास किया जाता है। बालक शिक्षा के द्वारा ही जीवन में सफलता की सीढ़ी तक पहूँच पाता है।

शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्य औसत से अधिक कार्य कुशलता के पाए गये। जबकि महिला प्रधानाचार्य अधिकतम कार्य कुशलता के पाए गये।शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता में सार्थक अन्तर होता है, मध्यमान अंकों को देखने पर स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्यों की तुलना में शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के महिला प्रधानाचार्य अधिक कार्य कुशल होते है।

प्रस्तावना – बालक जन्म से सीखना प्रारंभ करता है। सीखना ही शिक्षा कहलाती है। जिसके द्वारा बालक के व्यवहार में परिवर्तन होता है। बालक के शारीरिक एवं मानसिक विकास से उसे विकास के पथ पर लाया जा सकता है। विकास के पथ प्रदर्शन के लिए विद्यालय मार्गदर्शन की भूमिका में होता है। विद्यालय के द्वारा बालक में शारीरिक एवं मानसिक शक्तियों को पहचानने की दक्षता प्रदान होती है। विद्यालय बालक को बोद्धिक, शारीरिक, मानसिक, नैतिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक सन्दर्भ में तैयार करता है। विद्यालय में शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों का कुशल संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य की कार्यकुशलता पर निर्भर करना है। विद्यालय में प्रधानाचार्य जहाज के कप्तान की तरह नेतृत्व करते हुए सभी कार्यो के मध्य समन्वय स्थापित करते है। छात्र, शिक्षाक एवं अभिभावकों में समन्वयन कर विद्यालय के विकास के साथ समाज का विकास करना अपना कर्तव्य समझते है। प्रधानाचार्य अपनी कार्यकुशलता से छात्र एवं शिक्षाकों को प्रेरणा से परिपूर्ण रखते हुए हमेशा आगे बढ़ने के लिए तैयार करते है। विद्यालय में शैक्षिक वातावरण बनाना, भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का समूचित प्रयोग करते हूए गुणात्मक परिणाम प्राप्त करना प्रमुख लक्ष्य प्रधानाचार्य का होता है।

प्रधानाचार्य की कार्य कुशलता विद्यालय के प्रत्येक सदस्य की सफलता का मंत्र है। प्रधानाचार्य नियोजन, निर्णय, समूह कार्य, नवाचार एवं मूल्यांकन द्वारा अपनी कार्य कुशलता में वृद्धि करता है।

शोध प्रश्न:

1. शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्य किस प्रकार की कार्य कुशलता के होते है?
2. क्या शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्य की कार्य कुशलता में अन्तर होता है?

शोध उद्देश्य:

1. शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यों की कार्य कुशलता का पता लगाना।
2. शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यों की कार्यकुशलता में तुलना करना।

शोध परिकल्पना:

1. शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यों की कार्य कुशलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध परिसीमन:

1 प्रस्तुत शोधकार्य उदयपुर संभाग के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र तक सीमित रखा गया।
2. प्रस्तुत शोध शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय तक सीमित रखा गया।

न्यादर्श चयन: उपर्युक्त शोध हेतु सोद्देश्य प्रतिचयन विधि द्वारा न्यादर्श चयन किया गया जो इस प्रकार है :–

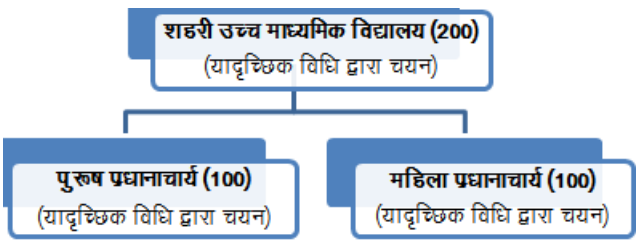

शोधकर्त्ता द्वारा प्रत्येक विद्यालय से प्रधानाचार्य को सम्मिलित किया गया। इस प्रकार कुल 200 प्रधानाचार्यो का न्यादर्श के रूप में चयन किया

गया।

शोध विधि, प्रविधि, उपकरण:

1. **शोध विधि–** इस शोध में प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता के अध्ययन हेतु शोधकर्त्ता ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
2. **शोध प्रविधि –** प्रस्तुत शोध से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण हेतु सांख्यिकी प्रविधियों में 'टी' परीक्षण का प्रयोग किया गया।
3. **शोध उपकरण –** प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण द्वारा आंकडों के संकलन हेतु मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है, जो इस प्रकार है:–

स्वनिर्मित उपकरण –कार्य कुशलता प्रमापनी

परिणामों का विश्लेषण एवं व्याख्या

उद्देश्य सं. 1 :शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता का पता लगाना।

सारणी संख्या 1: कार्य कुशलता का स्तर

क्र.	समूह	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	कार्य कुशलता का स्तर
1	पुरूष	246.500	18.580	100	औसत से अधिक कार्य कुशलता
2	महिला	257.140	18.095	100	अधिकतम कार्य कुशलता

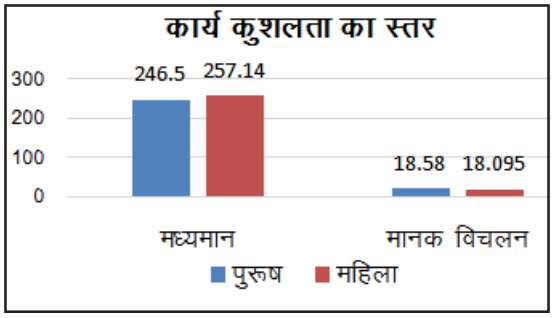

आरेख संख्या 1

कार्य कुशलता का स्तर

विश्लेषण –शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्य औसत से अधिक कार्य कुशलता के पाए गये।जबकि महिला प्रधानाचार्य अधिकतम कार्य कुशलता के पाए गये।

उद्देश्य सं. 2. : शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता में तुलना करना।

सारणी संख्या 2 (अगले पृष्ठ पर देखे)

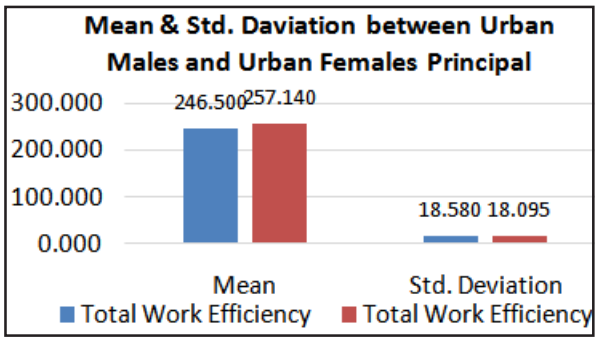

आरेख संख्या 2

शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिलाप्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता के मध्यमानों एवं उनकी मानक त्रुटियों का प्रदर्शन

विश्लेषण :–कार्य कुशलता हेतु शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्यो का मध्यमान 246.500 तथा शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के महिला प्रधानाचार्यो का मध्यमान 257.140 प्राप्त हुआ। 'टी' का मान 4.103 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 स्तर पर सार्थक है तात्पर्य है कि शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता में सार्थक अन्तर होता है, मध्यमान अंकों को देखने पर स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्यो की तुलना में शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के महिला प्रधानाचार्य अधिक कार्य कुशल होते है।

परिकल्पना सं. 1. : शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

निष्कर्ष – अत: शून्य परिकल्पना के अस्वीकृति की अवधारणा सिद्ध होती है। इसलिएशहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता में कोई सार्थक अंतर नहीं है, अस्वीकृत होती है। अत: कहा जा सकता है कि शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता के मध्यमानों में सार्थक अन्तर है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष – प्रस्तुत शोध अध्ययन में प्राप्त दत्तों का विश्लेषण करने के पश्चात् निम्नलिखित निष्कर्ष सामने आए :–

1. शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्य औसत से अधिक कार्य कुशलता के पाए गये। जबकि महिला प्रधानाचार्य अधिकतम कार्य कुशलता के पाए गये।
2. मध्यान की सार्थकता देखने पर दोनों में सार्थक अन्तर पाया गया शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष प्रधानाचार्यो की तुलना में शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के महिला प्रधानाचार्य अधिक कार्य कुशल होते है।
3. शहरी क्षेत्र के महिला प्रधानाचार्य नियोजन क्षमता, निर्णय क्षमता, नवाचार क्षमता में अग्रणी हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. पाण्डेय, डॉ. रामशकल (2014),'विश्व के श्रेष्ठ शिक्षाशास्त्री', श्री विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. व्यास, डॉ. भगवतीलाल (2016),'समकालिन भारत और शिक्षा', राधा प्रकाशन प्रा. लि., आगरा।
3. कपिल, एच.के. (2007)'अनुसंधान विधियाँ', एच.पी. भार्गव बुक हाउस 4/230, कचहरी घाट, आगरा
4. कपिल, एच.के. (2010) 'सांख्यिकी के मूल तत्व', अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा–2
5. शर्मा, आर.ए. (2007) 'शिक्षा प्रशासन एवं प्रबंधन', आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
6. सक्सेना, एन.आर., मोहन्ती, आर. के. मिश्रा, वी.के. (2008) 'प्रधानाध्यापक शिक्षा',आर. लाल बुक डिपो, मेरठ
7. Berman, P. & McLaughlin, M. (1978) Implementation of education innovation. Educational Forum, 40 (3) 345-

370
8. Badgujar Preetikal1 and Joshi Preeti (2013) A Descriptive Study on the Challenges faced by a School Principals, International Research Journal of Social Sciences ISSN 2319-3565 Vol. 2(5), 39-40.
9. Lethiwood, K. (1996). School Restructuring, transformational leadership and school improvement. Greenwhich, CT : JAI.
10. Witziers B., Bosker R.J. and Kruger M.L. (2003) Educational leadership and student achievement: The elusive search for an association, Educational administration quarterly, 39(3), 398-425.

सारणी संख्या 2: शहरी क्षेत्र के उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुरूष एवं महिला प्रधानाचार्यो की कार्य कुशलता के मध्यमानों के अन्तरों की सार्थकता की गणना

Type Location		N	Mean	Std. Deviation	Std. Error Mean	Mean Difference	t'	p value
Total Work Efficiency	Urban Males	100	246.500	18.580	1.858	-10.640	4.103	0.000
	Urban Females	100	257.140	18.095	1.810			

स्वतंत्रता के अंश df=N1+N2-2=(100+100-2=198)

विश्वास का स्तर99%

****